हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 15)(सूरदास के पद)
(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

पदों से

प्रश्न 1:
बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?

उत्तर 1:
माँ यशोदा के अनुसार यदि वे खूब सारा दूध पिएंगे तो उनकी चोटी जल्दी से बढ़ जाएगी और उनके बड़े भाई बलराम की तरह मोटी भी हो जाएगी। इसी लालच में दूध पीने के लिए तैयार हो गए।

प्रश्न 2:
श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या–क्या सोच रहे थे?

उत्तर 2:
श्रीकृष्ण यही सोच रहे थे कि जब मेरी चोटी बलराम भैया की तरह बड़ी और मोटी हो जाएगी तक मेरी चोटी भी खुल कर नागिन की तरह लहराएगी।

प्रश्न 3:
दूध की तुलना में श्रीकृष्ण कौन–से खाद्य पदार्थ को अधिक पसंद करते हैं?

उत्तर 3:
माखन–रोटी के सामने श्रीकृष्ण को दूध भी अच्छा नहीं लगता ।

प्रश्न 4:
'तैं ही पूत अनोखौ जायौ – पंक्तियों में ग्वालन के मन के कौन–से भाव मुखरित हो रहे हैं?

उत्तर 4:
ग्वालन के मन में यह ईर्ष्या है कि श्रीकृष्ण यशोदा के बेटे हैं उनका पुत्र ऐसा नहीं है। इसीलिए वह श्रीकृष्ण के मक्खन चुराने का उलाहना देकर उन्हें ताने देते हुए कहती है कि केवल तुम्हारा ही अनोखा बेटा है हमारे तो बेटे नहीं है।

प्रश्न 5:
मक्खन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा–सा मक्खन बिखरा क्यों देते हैं?

उत्तर 5:
श्रीकृष्ण अपनी मंडली के साथ ही लोगों के घरों में मक्खन चुराते हुए घूमते हैं वे खुद भी खाते हैं और अपने सखाओं को भी खिलाते हैं मक्खन गिराते इसलिए हैं ताकि चोरी का अपराध अन्य सखाओं पर डाला जा सके।

प्रश्न 6:
दोनों पदों में से आपको कौन–सा पद अधिक अच्छा लगा और क्यों?
उत्तर 6:
दोनों पदों में पहला पद सबसे अच्छा लगा क्योंकि इसमें मॉ यशोदा और श्रीकृष्ण का मनोंहारी संवाद हैं । जिसमें एक तरफ मॉ हर बहाने से उन्हें दूध पिलाना चाहती हैं और दूसरी तरफ वे चोटी न बढ़ने से मॉ को झूठमूठ बहलाने का आरेप लगाते हैं। वे जल्दी से जल्दी अपनी चोटी बलराम भैया की तरह बड़ी करना चाहते हैं इसीलिए वे जल्दी से दूध को पीने को तैयार हो जाते हैं ।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1:
दूसरे पद को पढ़कर बताइए कि आपके अनुसार उस समय श्रीकृष्ण की उम्र क्या रही होगी?
उत्तर 1:
इस पद को पढ़कर ऐसा लगता है कि उस समय उनकी उम्र पॉच से दस साल के बीच रही होगी।

प्रश्न 2:
ऐसा हुआ हो कभी कि माँ के मना करने पर भी घर में उपलब्ध किसी स्वादिष्ट वस्तु को आपने चुपके–चुपके थोड़ा–बहुत खा लिया हो और चोरी पकड़े जाने पर कोई बहाना भी बनाया हो। अपनी आपबीती की तुलना श्रीकृष्ण की बाल लीला से कीजिए।
उत्तर 2:
बच्चे अपनी छिपी कहानियों को कक्षा में अपने सहपाठी बच्चों से साझा करेंगे।

प्रश्न 3:
किसी ऐसी घटना के विषय में लिखिए जब किसी ने आपकी शिकायत की हो और फिर आपके किसी अभिभावक; माता–पिता, बड़ा भाई–बहिन इत्यादि ने आपसे उत्तर माँगा हो।
उत्तर 3:
ऐसा बच्चों के साथ अक्सर होता रहता है और उनको अपने अविभावक को सफाई देनी पड़ती हैं।

भाषा की बात

प्रश्न 1:
श्रीकृष्ण गोपियों का माखन चुरा–चुराकर खाते थे इसलिए उन्हें माखन चुरानेवाला भी कहा गया है। इसके लिए एक शब्द दीजिए।
उत्तर 1:
माखनचोर

प्रश्न 2:
श्रीकृश्ण के लिए पाँच पर्यायवाची शब्द लिखिए।
उत्तर 2:
बंशीधर , चक्रधर , माखनचोर , द्वारकाधीश ,कन्हैया ।

प्रश्न 3:
कुछ शब्द परस्पर मिलते–जुलते अर्थवाले होते हैं, उन्हें पर्यायवाची कहते हैं। और कुछ विपरीत अर्थवाले भी। समानार्थी शब्द पर्यायवाची कहे जाते हैं और विपरीतार्थक शब्द विलोम, जैसे –
पर्यायवाची –
चंद्रमा – शशि, इंदु, राका
मधुकर – भ्रमर, भौंरा, मधुप
सूर्य – रवि, भानु, दिनकर
विपरीतार्थक –
दिन – रात
श्वेत –श्याम
शीत – ऊष्ण
पाठ से दोनों प्रकार के शब्दों को खोजकर लिखिए।
उत्तर 3:
पर्यायवाची शब्द –

- मैया – माँ , माता
- बलराम – हलधर , दाऊ
- काढ़त – निकालना , गूँथना
- बेनी – चोटी , शिखा
- दूध – दुग्ध – पय

विपरीतार्थक शब्द –

- संग्रह – विग्रह
- रात – दिन
- लंबा – छोटा
- विज्ञ – अज्ञ
- प्रकट – ओझल